INDIAN SCHOOL AL WADI AL KABIR

Class: VII-2nd Lang.	**Department: Hindi**	**Date-** 6/4/26
Worksheet -1 Bridge course	**Topics: -** हिंदी वर्णमाला, अनुस्वार, अनुनासिक	**Class work**

हिंदी वर्णमाला (Hindi Alphabet) को दो मुख्य भागों में बाँटा जाता है: **स्वर** और **व्यंजन**।

1. स्वर (Vowels)- ये वे ध्वनियाँ हैं जो बिना किसी अन्य अक्षर की सहायता के बोली जाती हैं।

स्वर इस प्रकार हैं:- अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ऋ, ए, ऐ, ओ, औ = कुल: 11 स्वर

अं (अनुस्वार), अः (विसर्ग) को 'अयोगवाह' कहा जाता है।

2. व्यंजन (Consonants)

इनका उच्चारण स्वर की सहायता से होता है। व्यंजन इस प्रकार हैं:

क वर्ग- क, ख, ग, घ, ङ

च वर्ग- च, छ, ज, झ, ञ

ट वर्ग- ट, ठ, ड, ढ, ण

त वर्ग- त, थ, द, ध, न

प वर्ग- प, फ, ब, भ, म

अंतःस्थ (Semi-vowels)- य, र, ल, व

ऊष्म (Sibilants & Aspirate)- श, ष, स, ह = कुल: 33 व्यंजन

द्विगुण/उत्क्षिप्त व्यंजन: **ड़, ढ़ (इन्हें मिलाकर व्यंजन 35 हो जाते हैं)**

संयुक्त व्यंजन: **क्ष, त्र, ज्ञ, श्र (ये दो व्यंजनों से मिलकर बनते हैं)**

इस तरह कुल अक्षर = 52 **हैं**।

प्रश्न 1. रिक्त स्थान भरें (स्वर):

अ, ____, इ, ____, उ, ऊ, ऋ, ____, ऐ, ओ, ____, अं, अः

प्रश्न 2. सही व्यंजन जोड़कर शब्द पूरा करें:

क + ___ + ल = कमल

प + त + ___ = पतंग

अ + ___ ग + र = अजगर

अनुस्वार (ं) - बिंदु का प्रयोग

अनुस्वार नाक से उच्चारित होता है (जैसे- कंठ, रंग, चंचल)। जैसे-------

1. में, मैं, हैं।

2. अंत, अंश, अंधा, एवं, कंघा, कंस, कांता, खंड, गंध, घंटा, चंदा, दंगा, दंड, दंभ, दंश, नींव, बंद, बेंत, मंत्री, मंद, मैंने, शांत, संत, सायं, सिंह, हिंदी।

3. अंगूर, अंदर, अंधेरा, कंगारू, कंगूरा, कंपन, कुंदन, कोंकणी, चंदन, झंकार, पोंगल, पतंग, परिंदा, बंगला, बंजर, बंदर, मंदिर, मुंबई, यांत्रिक, लंगूर, शशांक, संतरी, संथाली, संयोग, संवाद, संशय, संसद, सुंदर।

अनुनासिक (ँ) - चंद्रबिंदु का प्रयोग

अनुनासिक मुँह और नाक दोनों से उच्चारित होते हैं (जैसे- चाँद, आँख)। जैसे----

1. आँख, आँच, काँसा, चाँदी, ←
   टाँग, साँचा, साँस।

2. काँपना, कुँवर, चाँदनी, भँवर,
   साँभर, हँसना, हँसिया, हाँकना।

टिप्पणी : निम्नलिखित शब्दों से अनुस्वार और चंद्रबिन्दु का अंतर **पहचानें :**

हंस (पक्षी), हँस (हँसना),
अँगना (आँगन), अंगना (सुन्दर नारी)
चाँद (चन्द्रमा), चांद (गंजा सिर)।

प्रश्न- चित्र वर्णन -

यह हमारे विद्यालय के पुस्तकालय का चित्र है। यहाँ बहुत सारी अलमारियाँ हैं। जिनमें ढेरों पुस्तकें रखी हैं। पुस्तकालय में बहुत शांति है और सभी बच्चे मन लगाकर पढ़ रहे हैं। एक मेज पर कुछ छात्र बैठकर आपस में चर्चा कर रहे हैं। पुस्तकालय के एक कोने में मेज पर समाचार-पत्र और पत्रिकाएँ भी रखी हैं। हमें पुस्तकालय में हमेशा नियमों का पालन करना चाहिए।

&&&&&&&&&